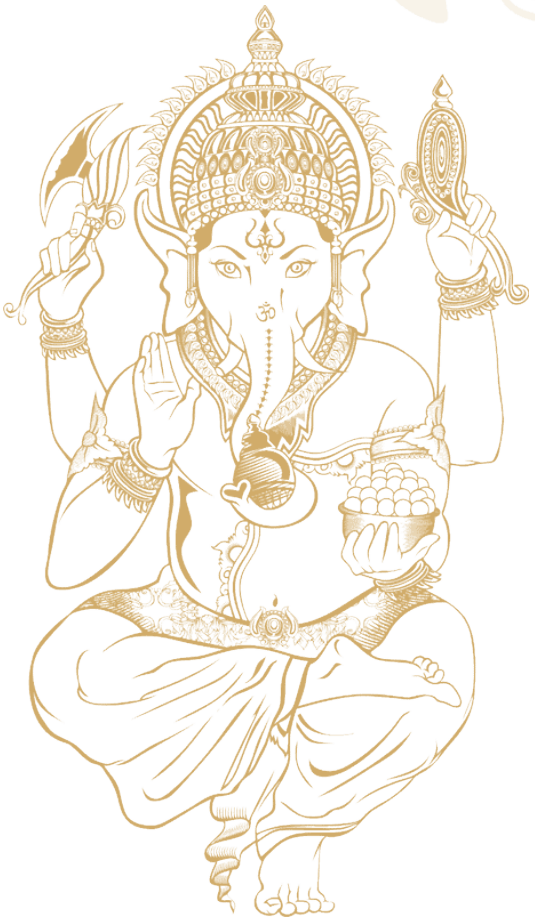

Jitendra rada

20 Aug 1973

03:15 AM

Allahabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121748703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19-20/08/1973**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:15:00 घंटे**
इष्ट	54:03:20 घटी
स्थान	**Allahabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	81:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:12:20 घंटे
वेलान्तर	-00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	01:04:42 घंटे
सूर्योदय	05:37:39 घंटे
सूर्यास्त	18:34:31 घंटे
दिनमान	12:56:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:14:58 सिंह
लग्न के अंश	01:21:57 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	01:21:57	312:34:24	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	---
सूर्य			सिंह	03:14:58	00:57:45	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	13:36:56	13:40:40	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			मेष	09:27:36	00:22:31	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			कर्क	19:33:08	01:49:31	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु	व		मक	11:11:36	00:06:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	नीच राशि
शुक्र			कन्या	07:31:48	01:11:37	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	नीच राशि
शनि			मिथु	08:20:33	00:05:34	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
राहु	व		धनु	12:50:39	00:02:43	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	12:50:39	00:02:43	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	नीच राशि
हर्ष			कन्या	26:40:22	00:02:36	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
नेप			वृश्चि	11:10:35	00:00:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
प्लूटो			कन्या	09:23:32	00:01:56	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	24:03:17	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:37

लग्न-चलित

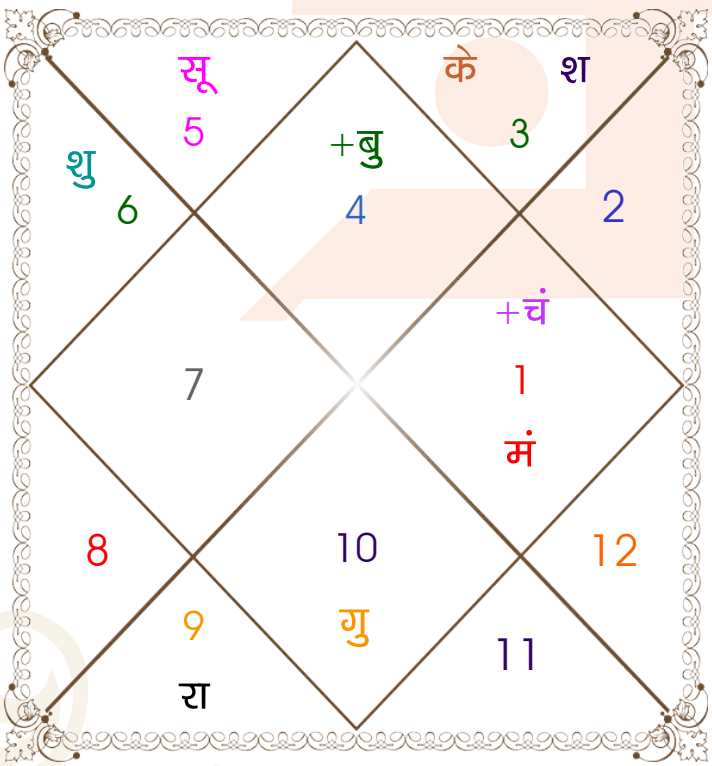

चन्द्र कुंडली

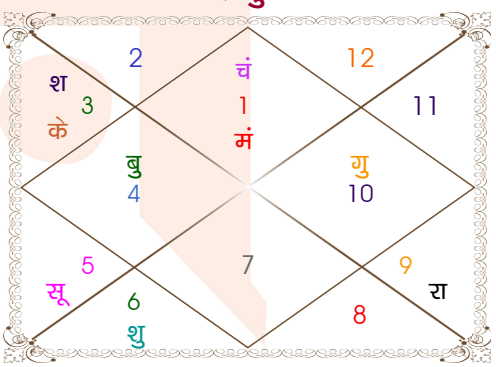

नवमांश कुंडली

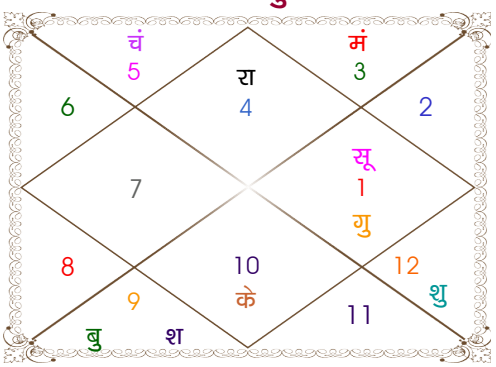

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 6 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/08/1973		18/03/1993		18/03/1999		18/03/2009		18/03/2016	
18/03/1993		18/03/1999		18/03/2009		18/03/2016		18/03/2034	
शुक्र	17/07/1976	सूर्य	06/07/1993	चंद्र	17/01/2000	मंगल	14/08/2009	राहु	29/11/2018
सूर्य	18/07/1977	चंद्र	04/01/1994	मंगल	17/08/2000	राहु	02/09/2010	गुरु	23/04/2021
चंद्र	18/03/1979	मंगल	12/05/1994	राहु	16/02/2002	गुरु	09/08/2011	शनि	28/02/2024
मंगल	18/05/1980	राहु	06/04/1995	गुरु	18/06/2003	शनि	16/09/2012	बुध	17/09/2026
राहु	18/05/1983	गुरु	23/01/1996	शनि	16/01/2005	बुध	14/09/2013	केतु	05/10/2027
गुरु	16/01/1986	शनि	04/01/1997	बुध	18/06/2006	केतु	10/02/2014	शुक्र	05/10/2030
शनि	18/03/1989	बुध	10/11/1997	केतु	17/01/2007	शुक्र	12/04/2015	सूर्य	30/08/2031
बुध	17/01/1992	केतु	18/03/1998	शुक्र	16/09/2008	सूर्य	18/08/2015	चंद्र	28/02/2033
केतु	18/03/1993	शुक्र	18/03/1999	सूर्य	18/03/2009	चंद्र	18/03/2016	मंगल	18/03/2034

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/03/2034		18/03/2050		18/03/2069		18/03/2086		18/03/2093	
18/03/2050		18/03/2069		18/03/2086		18/03/2093		00/00/0000	
गुरु	05/05/2036	शनि	21/03/2053	बुध	15/08/2071	केतु	14/08/2086	शुक्र	20/08/2093
शनि	17/11/2038	बुध	29/11/2055	केतु	11/08/2072	शुक्र	14/10/2087		00/00/0000
बुध	22/02/2041	केतु	07/01/2057	शुक्र	12/06/2075	सूर्य	19/02/2088		00/00/0000
केतु	29/01/2042	शुक्र	09/03/2060	सूर्य	17/04/2076	चंद्र	19/09/2088		00/00/0000
शुक्र	29/09/2044	सूर्य	19/02/2061	चंद्र	17/09/2077	मंगल	16/02/2089		00/00/0000
सूर्य	18/07/2045	चंद्र	20/09/2062	मंगल	14/09/2078	राहु	06/03/2090		00/00/0000
चंद्र	17/11/2046	मंगल	30/10/2063	राहु	02/04/2081	गुरु	10/02/2091		00/00/0000
मंगल	24/10/2047	राहु	05/09/2066	गुरु	09/07/2083	शनि	21/03/2092		00/00/0000
राहु	18/03/2050	गुरु	18/03/2069	शनि	18/03/2086	बुध	18/03/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 6 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कर्क लग्न, कर्क नवमांश एवं कर्क राशि के द्रेशकाण में हुआ है। जन्मकाल वर्गोत्तम गुण से युक्त एवं अनुकूल जन्म लग्नोदयादि उदित था जिसके प्रभाव से आप भाग्यशाली, अनेक अनुकूलताओं से युक्त, आरामदायक जीवन व्यतीत करनेवाले है। समाज में आपकी स्थिति समृद्धियुक्त एवं जीवन का श्रेय वर्गोत्तम का प्रभाव भगवान की देन प्रमाणित करता है।

आपके जीवन का मुख्य सबक यह है कि आप मस्तिष्क में यह बात सोच लें कि आप निश्चित रूप से उन्नति प्राप्त करेंगे एवं आप किसी भी विषय अथवा कार्य योजना पर निश्चित समय पर निर्णय लेकर, कार्यरूप देना, यह आपका स्वाभाविक जन्मजात विशेषता है। यदि आप तत्क्षण कार्य की सुनिश्चितता नहीं प्राप्त कर सके तो परिणामस्वरूप अनेकानेक सुअवसर का लाभ आपको हस्तगत नहीं हो सकेगा। अस्तु आपको दृढ़तापूर्वक चिन्तन करके कार्य कला नीति लागू करनी चाहिए। ताकि आप लाभ प्राप्ति के परिणाम के अनुसार विजय श्री प्राप्त कर सकें।

आपको दो अन्य अपेक्षित सावधानी के सम्बन्ध में ध्यान देना आवश्यक है। आप जितनी संख्या में सन्तान की प्राप्ति चाहेंगे-उतनी संतान का सुख अवश्य प्राप्त होगा।

आपके शरीर का उपरी भाग बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली रहेगा। जबकि कुछ वर्षों के बाद उदर बड़ा होकर शरीर का निचला भाग दुर्बल हो जायगा। यदि आप बैल की भॉति उदर बढ़ाने की प्रवृति का त्याग करें। अन्य दूसरी बात यह है कि आप अपने पारिवारिक आकृति के सम्बन्ध में सचेत रहे। क्योंकि छोटा परिवार द्वारा उत्तम सुख प्राप्त होता है। इसलिए परिवार के प्रति समर्पित एवं पत्नी के साथ अनुकूलतापूर्वक सम्बंधित रहकर परिवार नियोजन के सिद्धान्त के अनुसार अधिक मात्रा में सन्तानोत्पत्ति पर नियंत्रण रख सकते हैं। यह स्वभाव आप दोनों में किसी का भी आपके पारिवारिक जीवन अथवा देशीय प्रथा के लिए ठीक नहीं है। यह झलक आपके जन्म प्रभाव से परिलक्षित होता है।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप समझौता पूर्वक सचेत रहकर पारिवारिक सुख एवं बच्चों के सुख एवं लाभ के लिए सुनिश्चित कर लें कि आपका परिवारिक जीवन नियंत्रित हो।

सामान्यतया आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य रहने के लिए सचेष्ट रहें, तथा स्वास्थ्य का सम्पोषण करते रहेंगे।

आप अपने स्वस्थ्य के लिए तथा कुछ रोगादि के प्रति सावधान रहें क्योंकि आप मूर्छा रोग, सफेद दाग, हिस्ट्रीया, फोड़ा फुन्सी तथा गले की दिक्कतें सम्बंधी रोग से आक्रान्त हो सकते हैं।

आपके लिए अनुकूल कर्म व्यवसायों में आयात-निर्यात, पर्यटन कार्य, ट्रान्सपोर्ट का कार्य तथा सामुदायिक कार्य करना उत्तम होगा। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य, फैक्ट्री

चलाना, यांत्रिक, रेस्टोरेन्ट खेल सामग्री सुरक्षा एवं पुलिस की नौकरी से सम्बंधित कार्य कर सकते हैं। आप राजनीति के लिए उपयुक्त एवं पूर्ण समर्थ है। सम्बंधित कार्य आपके लिए लाभदायक प्रमाणित होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं कम्पनशील है।

अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए प्रतिकूल है अतः इस अंक के व्यवहार का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद एवं क्रीम रंग, पीला एवं लाल रंग प्रमाणित हो सकता है। हरा एवं ब्लू रंग का सर्वथा त्याग करें।